

5
18

पत्रावली पत्रा 26। वृत्त में 34
 देहालवार कांभर के पापुडल
 82 कावात 92का है कि प्रवृत्त
 के सदस्य में जा. सं. 800 द्वारा
 अमल 32काद का पिदा गदा है
 मतः अथ प्रकार के को वृ
 वृत्तवाली शेष नही रहने से
 प्र. पा. ईजयद 29दि मिय
 माना है पत्रावली वृत्त
 शुभा होकर 20 नम्बर के
 कर्म है। बाद पूर्ति काश्चल
 24का है।

Khilke